

शुभाश्रम
कैलाश
न्यूरो सेन्टर
डा. लक्ष्मीकान्त जोशी
M.B.B.S., M.D., DM (Neurology)
G.B.Pant Hospital Delhi
वरिष्ठ न्यूरो फिजीशियन, सिरदर्द एवं मिर्गी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं एवं उपचार
■ ब्रेन हैमरेज, स्ट्रोक, फालिस पड़ना (लकवा) ■ मिर्गी के दौर, चक्कर आना बेहोशी आना ■ सभी प्रकार के सिरदर्द—माईग्रेन, चेहरे का दर्द आदि ■ कमर दर्द, गर्दन का दर्द (Spondylosis) पीठ का दर्द, मसकुलर डिस्ट्राफी ■ सभी प्रकार की नसों का दर्द एवं मांसपेशियों की जांच (Neuropathy) ■ हाथ-पैरों में जलन, झनझनाहट, सुन्नपन, नसों की बीमारी ■ दिमागी बुखार/मस्तिस्क ज्वर (Encephalitis, Meningitis) दिमागी टीवी ■ याददास्त कम होना, सियाटिका भूलने की बीमारी (Dementia) गफलत (Confused Stage) ■ चाल में परिवर्तन, गिरने की बीमारी (Parkinson Disease) ■ पार्किंसन की बीमारी, हाथ पैरों में कम्पन होना ■ आँखों से कम दिखना (Optic Neuritis) बहरेपन की जांच ■ पलके झुकना, आँखों से डबल दिखना, हाथ पैरों में थकान (Myasthenia Gravis) ■ मुँह का टेढ़ापन होना तथा हाथ पाँव/गर्दन में कंपन के उपचार हेतु (Botox का Injection) ■ दिमाग एवं शिद की समस्त बीमारियों का उपचार ■ डिस्क प्रोलेप्स से सम्बन्धित सभी बीमारियों का उपचार ■ इलेक्ट्रोइनसिफेलाग्राफी तथा ब्रेन मापिंग (EEG) ■ NCV STUDIES, EMG, EVOKED POTENTIAL
Kailash Neuro Center
Opposite Pilkothri Road,
Near ICICI Bank, Kaladungi
Road, Haldwani-263139
Contact: 63955968 11
For Appointment
Contact: 7409873078

मोबाइल फोन से बिगड़ते बच्चे

ग... ट्रिंग अर्थात फोन, मोबाइल की घंटी कुछ दशक पूर्व तो अच्छी लगती थी क्योंकि तब इसकी सुविधा सब तक आसानी से नहीं पहुंची थी। अब तो मोबाइल आप सभी के हाथों में देख सकते हैं। काम करने वाली बाई से लेकर सब्जी बेचने वाले तक। पिछले एक डेढ़ दशक से हद ही हो गई है। बच्चों में इसका रूझान जरूरत से अधिक बढ़ता जा रहा है। इसकी टेक्नॉलॉजी इतनी जल्दी बदलती है कि हर माह या दो माह के अंतराल में नए मॉडल बाजार में आ जाते हैं और नई जेनरेशन बहुत जल्दी पुराने मॉडल से बेर होकर नया मॉडल खरीदने के लिए उतावली हो जाती है क्योंकि हर बार नया मॉडल कुछ अधिक सुविधा लिए आता है और क्रिशोर मन चंचल होता है कि वे हर लेटेस्ट वस्तु ट्राई करना चाहता है। छोटे बच्चे तो बड़ों को फोन पर बात करते देख इस ओर आकर्षित हो जाते हैं और कब वे इसके आदी हो जाते हैं पता ही नहीं चलता। अवसर पाते ही बड़ों का मोबाइल उठाते हैं। उस पर गेम्स खेलना, एसएमएस भेजना, गाने सुनना उन्हें बहुत अच्छा लगता है। मोबाइल की ट्रिंग-ट्रिंग कभी-कभी माता, पिता को सुविधा से अधिक समस्या लगने लगती है जब वे बच्चों की इतनी इनवॉल्वमेंट और समय बर्बादी होते देखते हैं। बच्चे इतने आगे तक मोबाइल के साथ जुड़ चुके हैं कि उन्हें वापिस लाना भी असंभव सा महसूस होने लगा है। जब बच्चे अधिक छोटे होते हैं जैसे एक वर्ष से 5-7 वर्ष तक तो उनके पहले गुरु तो माता, पिता होते हैं, फिर जब वे बाहर निकलते हैं तो आसपास

का वातावरण उन्हें प्रभावित करता है। बच्चों के रोल मॉडल माता, पिता होने के नाते वे उन्हें मोबाइल या फोन पर लंबी बात करते देखते हैं तो वे उनकी नकल करते हैं। इसलिए माता, पिता को भी प्रारंभ से इस बात का ध्यान रखना चाहिए ताकि बच्चे अपने रोल मॉडल से सही सीखें। बच्चे तो मासूम होते हैं। उन्हें इस बात की जिज्ञासा रहती है कैसे मम्मी-पापा दूर बैठे बुआ, मामा, चाचा, नाना, नानी, दादा-दादी से फोन पर बात करते हैं। माता पिता बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने के लिए प्रारंभ में उनको बात कराते हैं। जब बच्चों को थोड़ा मजा आने लगता है तो हर फोन की ट्रिंग-ट्रिंग होते ही वे भागते हैं, फोन उठाने के लिए। धीरे-धीरे उनको फोन पर बात करना अच्छा लगने लगता है। जब बच्चे फोन का अधिक प्रयोग करते हैं तो हम उन्हें अब टोकना प्रारंभ कर देते हैं जो ठीक नहीं है। बचपन तो कच्चे घड़े की तरह होता है। आप यदि प्रारंभ से उन पर कुछ सख्ती रखेंगे तो वे उसका दुरुपयोग नहीं करेंगे। इसका अर्थ है प्रारंभ से आए जैसा ढालेंगे, वे ढल जाएंगे। उन्हें प्यार से समझाएं। बड़े होते बच्चों को मोबाइल या फोन के दुरुपयोग करने के क्या नुकसान हैं, बताया जाना चाहिए। अधिक एसएमएस, व्हाट्सएप,

फेसबुक करने से उंगलियों पर क्या प्रभाव पड़ता है, बहुत छोटे अक्षरों को दबाने से आँखों पर भी जोर पड़ता है, बताया जाना चाहिए। **फोन के दुष्प्रभाव** समय की बर्बादी दिमाग का प्रयोग कम क्योंकि बच्चे इसका प्रयोग कैल्कुलेटर के लिए भी करते हैं। स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव। पढ़ाई का नुकसान। एकाग्रता भंग होती है। दिनचर्या भी खराब होती है। माता-पिता को सलाह बच्चों को फोन का सही प्रयोग करना समझाएं ताकि वे इसके गलत प्रयोग से बचे रहें। बच्चों को आधुनिक तकनीक के अच्छे-बुरे प्रभाव के बारे में बताएं। मोबाइल पर मित्रों से बात करने के लिए उन्हें वो टाइम समझाएं जब वे पढ़ाई न कर रहे हों। बच्चों को मोबाइल दो दिलवाएं जिससे वे कम्युनिकेट कर सकें। इंटरनेट वाला मोबाइल न दिलाए। वे इसका प्रयोग गलत साइट के लिए भी कर सकते हैं। एसएमएस के सीमित प्रयोग करने के बारे में बताएं। बच्चों को समझाएं कि दोस्तों के कहने पर कुछ गलत फोन कॉल न करें। यदि ऐसा करते हैं तो इसके जिम्मेदार वे स्वयं होंगे। इसलिए अपने पर काबू रखें। सोने से पहले और पढ़ाई करने से पहले मोबाइल वे आपको दे दें ताकि पढ़ाई और नींद में बिचन न आए। मोबाइल को स्कूल न ले जाएं इस बात का पूरा ध्यान रखें। पब्लिक प्लेसिज पर मोबाइल वाइब्रेटरी मोड पर रखें जैसे पूजा स्थल, अस्पताल, टयूसन टाइम आदि।



पौष्टिक आहार बनाता है अंदर से मजबूत

बार-बार बीमार पड़ना हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को दर्शाता है। अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है पौष्टिक आहार का सेवन। अपने शरीर की 70 प्रतिशत प्रतिरोधक क्षमता को बरकरार रखना हमारे हाथ में है अगर हम अपना खानपान सही और उचित रखते हैं। प्रतिरोधक क्षमता के कमजोर होने पर शरीर पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों का मुकाबला करना मुश्किल होता है इसलिए इसे सुदृढ़ बनाना जरूरी है ताकि हमारा सुरक्षाकवच स्ट्रांग बना रहे और हम स्वस्थ बने रहें। आइए जानें आहार में क्या शामिल करें ताकि सुरक्षा कवच मजबूत बने।

- स्वाएं हरी पत्तेदार सब्जियां**
हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन ए, कैल्शियम, आयर्न, विटामिन सी और फॉलिक एसिड इनका है जो हमारे प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत बनाता है। इनका प्रयोग सब्जी के रूप में सूप, रायते, दाल में डालकर या आटे में डालकर किया जा सकता है।
- गाजर, सीताफल और पपीता**
लाल, पीले और संतरी रंग की फल सब्जियों में बीटा कैरोटिन की मात्रा प्रचुर होती है जो हमारी संक्रमण से लड़ने की क्षमता को बढ़ाती है। गाजर में विटामिन ए और एंटी कैंसर तत्व होते हैं जो हमारी आँखों और कैंसर से बचाने के लिए लाभप्रद हैं। इस प्रकार पपीता और सीताफल भी हमारे प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत बनाते हैं। गाजर सलाद में, सूप, जूस, सब्जी के रूप में ले सकते हैं। पपीते का सेवन फल के रूप में निर्यामित लें ताकि पाचन तंत्र मजबूत बना रहे। सीताफल सब्जी, रायते, दाल में डालकर प्रयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सीताफल उबाल कर मैश कर आटे में गूथ कर रोटी बना कर खा सकते हैं।
- निर्यामित स्वाएं दही**
दही में प्रोटीन और कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है। इसके अतिरिक्त दही में मौजूद बैक्टीरिया हमारे भोजन को पचाने में मदद करते हैं। दही हमारे शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रण में रखता है, पेट संबंधी बीमारियों से बचाता है, इसलिए दही को अपने निर्यामित आहार में शामिल करें पर दही ठोढ़ दूध से बना ही खाएं। दही को रोटी के बाद फीका खाएं। इसे मट्ठा व रायते के रूप में भी खा सकते हैं। इसकी लस्सी बना कर भी पी सकते हैं। फलों की स्मूदी में दही डालकर सेवन कर सकते हैं।
- स्ट्रॉबेरी, रसबेरी, ब्लैक एंड ब्लूबेरी चैरी का करें सेवन**
ये सभी फल विटामिन सी से भरपूर होते हैं। इसके अतिरिक्त इनमें पोटेशियम, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर और एंटी आक्सिडेंट की भी मात्रा होती है। ये फल ब्लड शुगर को नियंत्रण करने में मदद करते हैं और कोलेस्ट्रॉल को भी।

इन फलों के सेवन से वजन भी नियंत्रित रहता है। इसका सेवन फल के रूप और इसके अतिरिक्त इन्का शर्बत, स्मूदी बनाकर कर भी किया जा सकता है। शरीर को ठंडक प्रदान करते हैं। **अमरूद, आंवला, संतरा, नींबू का करें सेवन**
आंवला में बाहरी संक्रमण को रोकने की शक्ति होती है क्योंकि इसमें विटामिन सी की प्रचुर मात्रा होती है। आंवले का सेवन हर मौसम में किया जा सकता है। इसी प्रकार अमरूद, संतरा और नींबू में भी विटामिन सी की प्रचुर मात्रा होती है। अमरूद में रफेज भी काफी होता है जो कोलेस्ट्रॉल और दिल की बीमारी को दूर रखने में मदद करता है। नींबू वाली चाय भी सेहत के लिए बेहतर मानी जाती है। नींबू का प्रयोग शिकंजी, सलाद पर डालने और चाय में डालने के लिए किया जा सकता है। आंवला चटनी, मुरब्बा, सब्जी, अचार के रूप में खा सकते हैं। अमरूद और संतरे का सेवन सर्दियों में खूब करें।

ग्रीन टी
ग्रीन टी में एंटी आक्सिडेंट होने के कारण एंटी बैक्टीरियल का भी काम करता है जो डायरिया, जुकाम को दूर करने में मदद करता है। ग्रीन टी में मौजूद कैपेरोलिन वजन कम करने में मदद करता है। तनाव दूर करने और डायबिटीज को कंट्रोल करने में भी ग्रीन टी लाभप्रद है। ग्रीन टी में दूध न डालें। इससे इसके लाभ खत्म हो जाते हैं। चाहें तो थोड़ा सा शहद और नींबू डालकर पी सकते हैं। एक दिन में दो कप से ज्यादा ग्रीन टी नहीं पीनी चाहिए।

स्वाएं बादाम
मुट्ठी भर बादाम प्रतिदिन खाने चाहिए ताकि शरीर में विटामिन ई की कमी न होने पाए। बादाम रात्रि में भिगोकर छीलकर खाना लाभप्रद होता है।

हल्दी का सेवन
सर्दियों में कच्ची हल्दी का प्रयोग कर सकते हैं। हल्दी के निर्यामित सेवन से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। हल्दी में विटामिन बी-6, पोटेशियम, मैगनीज और लौह तत्व पाये जाते हैं जो शरीर के विभिन्न हिस्सों को सुचारू तरीके से काम करने में मदद करते हैं। छती में कफ जमा होने पर, गुम चोट लगने पर दूध में थोड़ा सा हल्दी पाउडर या कच्ची हल्दी कद्दरुस करके डालकर उबालें और वहीं दूध पिएं।

लहसुन
लहसुन में अमीनो एसिड, विटामिनस और एंजाइमस पाए जाते हैं। इससे अनेक बैक्टीरिया से उबलने वाले संक्रमण और वायरल संक्रमण से बचाव होता है। लहसुन में ए.बी.सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम होता है। इसका प्रयोग अचार, चटनी, सब्जी के मसाले में किया जा सकता है।



दूसरी मंजिल पर सोता रहा परिवार, तीसरी मंजिल पर आराम से वारदात रुद्रपुर : चोरों ने गल्ला मंडी में सेनेटरी गोदाम खंगाला

उत्तरांचल दीप ब्यूरो
रुद्रपुर। एक तरफ पुलिस मां सर्वेश्वरी कालोनी में डकैती डालने वालों को तलाश रही है तो दूसरी ओर चोरों ने पुलिस को एक और झटका दे दिया। शहर के बीचोंबीच स्थित गल्ला मंडी में तीसरी मंजिल पर स्थित सेनेटरी के गोदाम को चोरों ने खाली कर दिया। पड़ोस में निर्माणाधीन मकान के रास्ते तीसरी मंजिल पर पहुंचे चोरों ने बेखोफ होकर वारदात की और करीब दस लाख रुपये का माल वाहन में भरकर फरार हो गये। सोमवार अवकाश का दिन होने के कारण वारदात का देरी से पता चला। गल्ला मंडी में कन्हैया खंडेलवाल का भूतल पर सेनेटरी शोरूम है। दूसरी मंजिल पर खंडेलवाल व उनका बेटा अमन पूरे परिवार के साथ रहते हैं। तीसरे मंजिल पर उन्हेने सेनेटरी का गोदाम बना रखा है। खंडेलवाल के शोरूम के एक तरफ बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा है तो दूसरी ओर एक मकान का निर्माण हो रहा है। सोमवार को सुबह करीब नौ बजे जब मकान के निर्माण में लगे राज-मजदूर पहुंचे तो उन्हेने सेनेटरी वेयर आइटम को पैकिंग का सामान बिखरा हुआ देखा। मजदूरों ने खंडेलवाल से इस बारे में पूछ तो उन्हेने अपनी दुकान चेक की और बाद में जाकर गोदाम चेक किया। गोदाम की हालत देखकर कन्हैया के होश उड़ गये। गोदाम में रखा सेनेटरी का बेशकीमती सामान गायब था। ये देख उन्हेने पुलिस को सूचना दी लेकिन पुलिस नहीं पहुंची। इसके बाद कन्हैया खुद



एसी की आरामतलबी बनी चोरों के लिए मुफ्तीद
रुद्रपुर। भीषण गर्मी में एयरकंडीशनर की नींद चोरों के लिए मुफ्तीद साबित हो रही है। महेशनगर, सिंह कालोनी की घटनाओं के बाद गल्ला मंडी की वारदात में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। महेशनगर में सात जून को एक घर को चोरों ने जब निशाना बनाया तो उस वक्त भी घर के सभी लोग एसी कमरे में सो रहे थे। सिंह कालोनी में एफसीआई अफसर के घर पर भी किराएदार एसी कमरे में सो रहे थे। रविवार की रात खंडेलवाल परिवार दूसरी मंजिल पर एसी कमरों में सो रहा था और तीसरी मंजिल पर चोर आराम से सामान समेट रहे थे।

अपराध
■ निर्माणाधीन घर के रास्ते चढ़े चोरों ने कारोबारी को लगाई दस लाख की चपत

फिर पुलिस गश्त पर उठे सवाल

रुद्रपुर। गल्ला मंडी की घटना से एक बार फिर पुलिस की गश्त पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। गल्ला मंडी में घनादय लोगों के आवास हैं। जिस स्थान पर चोरी हुई है। वह तो मुख्य मार्ग से भी साफ दिखता है। यहीं पर बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा व एटीएम भी है। इसके बाद भी पुलिस गश्त करना मुनासिब नहीं समझती है। एटीएम पर गार्ड की तैनाती रहती है लेकिन वह एटीएम के अंदर ही बैठता है। पुलिस ने उससे भी पूछताछ की।

फिर सीसीटीवी का सहारा

गल्ला मंडी में तमाम स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। अब पुलिस इन सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। संभवतः निर्माणाधीन मकान के सामने से चोरों ने अपने मिशन को अंजाम दिया। इसलिए अभी तक पुलिस को कोई सफलता हाथ नहीं लगी है। इसके अलावा गल्ला मंडी में स्थित ट्रांसपोर्ट, आइटों पर रहने वाले पल्लेदारों से भी पूछताछ की जा रही है।

चप्पे-चप्पे से वाकिफ थे चोर

चोरों ने जिस तरह से वारदात को अंजाम दिया। उससे लगता है कि वो खंडेलवार परिवार के पूरे भवन के चप्पे-चप्पे से वाकिफ थे। चोरों ने आराम से घर में घुसने के लिए संभवतः सीढ़ी का इस्तेमाल किया और गोदाम में जाकर पूरे सामान को आराम से चेक कर चोरी कर लिया। उन्हीद जताई जा रही है कि चोरों की संख्या तीन-चार रही होगी।

कोतवाली पहुंचे और तहरीर दी। इसके बाद पूर्वान्व करीब 11 बजे चीता मोबाइल पहुंची।

कन्हैया ने पुलिस को बताया कि चूंकि गोदाम तीसरी मंजिल पर था और दूसरी मंजिल पर उनकी

रिहायश है। इसी के चलते वे गोदाम में ताला नहीं लगाते थे। खंडेलवाल के अनुसार, चोर करीब दस लाख का माल उड़ा ले गये। चीता मोबाइल पुलिसकर्मी भी मौका मुआयना कर वापस लौट गये।

अवैध रूप से व्यवसाय कर रहे फड़ व्यवसायियों को खदेड़ा

रुद्रपुर। थाना ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र में कंपनी से वापस घर जा रही युवती से बाइक सवार युवकों द्वारा छेड़छाड़ करने व विरोध करने पर बाइक पर जबरन बैटाने के प्रयास का मामला प्रकाश में आया है। हालांकि युवती की ओर से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिये पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई है। बताया जाता है कि ट्रांजिट कैम्प में किराये पर रहने वाली युवती रविवार की देर शाम को सिक्कुल की कंपनी से वापस आ रही। रास्ते में बाइक पर सवार दो युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया और उससे छेड़छाड़ करने लगे। बताया जा रहा कि युवती के विरोध करने पर बाइक सवार युवकों ने उसे जबरन बैटाने का भी प्रयास किया। युवती के शोर-शराबा मचाने पर राहगीर एकत्र होने लगे। तभी आरोपी मौके से बाइक लेकर भागने में कामयाब हो गये। बताया जा रहा है कि युवती ने आरोपी युवकों के खिलाफ कार्रवाई को पुलिस में तहरीर नहीं दी है।

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

नैनीताल। सीओ विजय थापा के नेतृत्व में पुलिस ने पंत पार्क से लेकर गुरुद्वारे तक अवैध रूप से व्यवसाय कर रहे फड़ व्यवसायियों को खदेड़ा। पुलिस की इस कार्रवाई से फड़ व्यवसायियों में अफसा-तफरी का माहौल बन गया और फड़ व्यवसायी अपना अपना सामान लेकर इधर-उधर भागते दिखायी दिये।

मालूम हो बोते दिन भी पुलिस ने फड़ व्यवसायियों को पंत पार्क व मालरोड़ में फड़ नहीं लगने दिये। पिछले दिनों नगर पालिका कर्मचारी व फड़ व्यवसायियों के बीच हाथपाई हुई थी। जिसके बाद नगरपालिका कर्मचारियों ने गश्त लगाने के लिये मना कर दिया था। जिस पर नगरपालिका द्वारा मल्लीताल कोतवाली में फड़ व्यवसायियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी गई थी। पालिका कर्मियों की गश्त बंद होने



नैनीताल पंत पार्क से फड़ व्यवसायियों को खदेड़ती पुलिस।

के चलते फड़ व्यवसाय पुनः फड़ लगाने लगे। मालूम हो कि पंत पार्क, गुरुद्वारा पाथवे व माल रोड़ में हाई कोर्ट के आदेशों के बाद फड़ लगाना प्रतिबंधित है। लेकिन इसके बाद भी फड़ लगाने को व्यवसाय स्रक्रिय रहते हैं। यहां बता दें कि सीजन में बाहरी

प्रदेशों से काफी संख्या में फड़ व्यवसाय नैनीताल पहुंच जाते हैं। फड़ हटाने की कार्रवाई में सीओ विजय थापा, कोतवाली प्रभारी विपिन पंत, एसएसआई बीसी मासीवाल, पुलिस कॉन्स्टेबल मनोज जोशी आदि मौजूद थे।

1890 में स्थापित प्राचीनतम बोट हाउस क्लब की नई कार्यकारिणी गठित शर्मा सचिव, सरना कनिष्ठ उपाध्यक्ष, साह वरिष्ठ उपसचिव बने

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

नैनीताल। 1890 में स्थापित देश के प्राचीनतम क्लबों में शुमार बोट हाउस क्लब की नई नौ सदस्यीय कार्यकारिणी के चुनाव हुए। 3291 सदस्यों में से 493 सदस्यों ने मतदान प्रक्रिया में भाग लिया। 27 मत अवैध घोषित किए गए। मतगणना के नतीजों के बाद बोट हाउस क्लब नैनीताल की नौ सदस्यीय नई कार्यकारिणी की घोषणा भी कर दी गयी। नौ सदस्यीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद सर्वसम्मति से नसीम खान को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया। जबकि डीके शर्मा सचिव व जेएस सरना कनिष्ठ उपाध्यक्ष, विजय साह वरिष्ठ उपसचिव और दीप साह कनिष्ठ उपसचिव चुने गए।

चुनाव के बाद नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने कहा कि वह बोट हाउस क्लब की ख्याति को और अधिक शीर्ष पर पहुंचाएंगे साथ ही यहां आने वाले देशी-विदेशी सदस्यों को और अधिक व सामाजिक कार्यों में भागीदारी निभाएंगे। मतदान प्रक्रिया के बाद वोटों की गिनती का कार्य शुरू हुआ। मतगणना के बाद नौ सदस्यीय कार्यकारिणी का चयन किया गया। जिसमें नसीम ए खान को 348, डीके शर्मा को 344, जेएस



बोट हाउस क्लब नैनीताल की कार्यकारिणी चुनाव में जीते सदस्य।

शर्मा को 324, विजय साह को 300, राखी विर्क को 295, दीप साह को 284, आरके कर्नाटक को 280, मोहन चंद्र पांडे को 267, पंकज जायसवाल को 259 मत मिले। यह सभी सदस्य कार्यकारिणी के लिए निर्वाचित घोषित किए गए। जबकि पीएस रौतेला को 231, पूजा बांगा को 78, गणेश मिश्रा को 65 2मत मिले। बोट हाउस क्लब चुनाव में केवल 14 प्रतिशत ही मतदान हुआ। कुल पड़े मतों में से 27 मत अवैध पाए गए। निर्वाचित नौ सदस्यीय कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से सर्वसम्मति से

सर्वसम्मति से नसीम खान को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया। जबकि डीके शर्मा सचिव व जेएस सरना कनिष्ठ उपाध्यक्ष, विजय साह वरिष्ठ उपसचिव और दीप साह कनिष्ठ उपसचिव चुने गए। चुनाव के बाद नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने कहा कि वह बोट हाउस क्लब की ख्याति को और अधिक शीर्ष पर पहुंचाएंगे साथ ही यहां आने वाले देशी-विदेशी सदस्यों को और अधिक व सामाजिक कार्यों में भागीदारी निभाएंगे। मतदान प्रक्रिया के बाद वोटों की गिनती का कार्य शुरू हुआ। मतगणना के बाद नौ सदस्यीय कार्यकारिणी का चयन किया गया। जिसमें नसीम ए खान को 348, डीके शर्मा को 344, जेएस

स्वयं में से सचिव का निर्वाचन किया जाएगा। मालूम हो कि बोट हाउस क्लब के पदेन अध्यक्ष आयुक्त कुमार मंडल व उपाध्यक्ष जिलाधिकारी नैनीताल होते हैं। कार्यकारिणी में जगह पाने की जद्दोजहद कर रहे डा. टीएस रौतेला, डा. गणेश मिश्रा व पूजा बांगा को पराजय का मुंह देखना पड़ा। चुनाव कराने में मुख्य चुनाव अधिकारी हार्दिकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एमसी कांडपाल व सहायक चुनाव अधिकारी ललित शर्मा व बोट हाउस क्लब के प्रशासनिक अधिकारी जीबी जोशी ने सहयोग दिया।